

कृशर पुं. (तत्.) 1. तिल और चावल की खिचड़ी
2. लोबिया मटर, केसारी, दुबिया।

कृशरान्न पुं. (तत्.) खिचड़ी।

कृशांग पुं. (तत्.) शिव वि. (तत्.) दुबला, पतला।

कृशानु पुं. (तत्.) 1. अग्नि 2. चित्रक, चीता।

कृशाश्व पुं. (तत्.) 1. भागवत के अनुसार तृणबिंदु
वंश का एक राजर्षि जो संयम का पुत्र और
महादेव का बड़ा भाई था 2. दक्ष के एक जामाता
3. हरिवंश के अनुसार धुंधमारवंशी एक राजा, जो
नाट्यशास्त्र के एक आचार्य माने जाते हैं।

कृशोदर वि. (तत्.) जिसका पेट बड़ा न हो, कृश
उदरवाला।

कृषक पुं. (तत्.) 1. किसान, खेतिहर 2. हल का
फल 3. बैल।

कृषि स्त्री. (तत्.) 1. खेती, काश्त, किसानी 2. हल
चलाना, जोतना-बोना 3. पृथ्वी, जमीन, धरती।

कृषिकर्म पुं. (तत्.) खेती का काम, किसानी।

कृषिकार पुं. (तत्.) किसान, खेतिहर।

कृषिजीवी वि. (तत्.) खेती के द्वारा जीविका
उपार्जित करने वाला (किसान)।

कृष्ट वि. (तत्.) 1. जोता हुआ, हल चलाया हुआ
2. खींचा हुआ, घसीटा हुआ।

कृष्टपच्य वि. (तत्.) खेत में बोने से पैदा होने
वाला।

कृष्ण वि. (तत्.) 1. श्याम, काला, सियाह 2.
नीला या आसमानी 3. दुष्ट, अनिष्टकारक पुं.
(तत्.) 1. विष्णु के दस अवतारों में आठवाँ, यदुवंशी
वसुदेव के पुत्र, जो भोजवंशी देवक की कन्या
देवकी के गर्भ से उत्पन्न हुए थे 2. एक असुर
जिसे इंद्र ने मारा था 3. एक ऋषि जिन्होंने
ऋग्वेद के कई मंत्रों का प्रकाश किया था 4.
अथर्ववेद का एक उपनिषद 5. छप्पय छंद का
एक भेद 6. चार अक्षरों का एक वृत्त जिसके
प्रत्येक चरण में एक तगण और एक लघु होता है
7. वेदव्यास 8. अर्जुन 9. कोयल 10. कौवा 11.

कदम का पेड़ 12. मास का वह पक्ष जिसमें
चंद्रमा का हास हो, अंधेरा पक्ष 13. कलियुग 14.
करींदा 15. पीपल 16. नील 17. जैनियों के नौ
काले वासुदेवों में से एक 18. बौद्धों के अनुसार
एक राक्षस जो बुद्ध का शत्रु माना जाता है 19.
चंद्रमा का धब्बा 20. लोहा 21. सुरमा।

कृष्ण कर्म पुं. (तत्.) 1. हिंसा आदि पाप कर्म 2.
निष्काम कर्म 3. फोड़े की चिकित्सा की एक प्रक्रिया।

कृष्णकाय पुं. (तत्.) 1. महिष, भैंसा 2. काले रंग
का प्राणी या वस्तु।

कृष्णकाष्ठ पुं. (तत्.) कृष्णागुरु, काला चंदन या
अगर।

कृष्णकेलि स्त्री. (तत्.) कृष्ण की लीला।

कृष्णग्रीव पुं. (तत्.) नीलकंठ, शिव।

कृष्णचंद्र पुं. (तत्.) दे. कृष्ण।

कृष्णद्वैपायन पुं. (तत्.) पराशर के पुत्र वेदव्यास,
पराशर्य।

कृष्णपक्ष पुं. (तत्.) 1. वह पक्ष जिसमें चंद्रमा का
हास हो, अंधियारा पक्ष 2. अर्जुन का एक नाम।

कृष्णमृग पुं. (तत्.) कृष्णसार मृग, काला मृग।

कृष्णयजुष पुं. (तत्.) यजुर्वेद के दो भेदों में से
एक, इसमें 86 शाखाएँ हैं, जिनमें तैत्तिरीय और
आपस्तम्ब आदि शाखाएँ प्रमुख हैं वि. दे. 'यजुर्वेद'।

कृष्णसखा पुं. (तत्.) कृष्ण का मित्र, 2. सुदामा
3. अर्जुन।

कृष्णसखी स्त्री. (तत्.) 1. कृष्ण की सखी 2. द्रौपदी
3. राधा, विशाखा आदि गोपियाँ।

कृष्णसार पुं. (तत्.) 1. काला मृग, काला हिरण 2.
सेंहुड़ 3. शीशम का वृक्ष 4. खैर का वृक्ष।

कृष्णा स्त्री. (तत्.) 1. राज द्रुपद की पुत्री द्रौपदी
2. पीपल ठ 3. दक्षिण भारत की एक नदी जो
पश्चिमी घाट से निकलकर बंगाल की खाड़ी में
गिरती है 4. कच्चे नील की बट्टी 5. कालीदास
6. काला जीरा 7. अगर, ऊद (लकड़ी) 8. काली
(देवी) 9. एक प्रकार की जहरीली जोंक 10. पपरी